भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **4710**

<u>दिनांक</u> 24 , <u>मार्च, 2021 को उत्तर दिये जाने के लिए</u>

कॉफी की कीमतों में गिरावट

4710. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना :

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को फसल कटाई के मौसम के बीच बेमौसम बारिश की दोहरी मार की जानकारी है जिनके कारण हासन, जोकि एक प्रमुख कॉफी उत्पादक क्षेत्र है, में कोडागु (कुर्ग), चिकमगलूर और सकलेशपुर में पेड़ों से कॉफी बेरी का गिरना और कॉफी के गिरते दामों ने किसानों को अपनी फसलों के बारे में चिंतित कर दिया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा कॉफी बागान के कल्याण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ; और

(घ) कर्नाटक में निर्यात क्षमता और कॉफी उत्पादन का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख): दिसंबर 2020 और जनवरी 2021 माह के दौरान कनार्टक के कॉफी उत्पादक क्षेत्रों में भारी वर्षा हुई जिसके कारण कॉफी की फसल को हानि हुई ।

कॉफी की घरेलू कीमत, अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों और स्थानीय कारकों पर निर्भर होती है। अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (आईसीओ) के अनुसार, कम्पोजिट सूचकांक कीमत का वार्षिक औसत वर्ष 2016 के दौरान 127.34 यूएस सेंट्स/एलबी की तुलना में वर्ष 2020 के दौरान कम्पोजिट संकेतक का वार्षिक औसत 15.23 प्रतिशत कम होकर 107.94 यूएस सेंट्स/एलबी हो गया है । अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन के अनुसार, विगत पांच वर्षों के दौरान अतिरिक्त उत्पादन, कम कीमतों के लिए मुख्यत: उत्तरदायी है । तथापि, विगत चार माह के दौरान, मासिक औसत आईसीओ कम्पोजिट संकेतक कीमत बढ़ोत्तरी का रूझान दर्शाते हुए नवंबर 2020 में 109.70 यूएस सेंट्स/एलबी से बढ़कर फरवरी 2021 में 119.35 यूएस सेंट्स/एलबी हो गया है ।

(ग) कॉफी बोर्ड एकीकृत कॉफी विकास परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है जिसके तहत कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता में समग्र रूप से सुधार करने के लिए अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण, एस्टेटों का मशीनीकरण के लिए सहायता,

कॉफी क्षेत्र का विकास, बाजार विकास, मूल्यवर्धन के लिए सहायता आदि जैसे विभिन्न हस्तक्षेप किये जाते है । समुदाय आधार पर कॉफी के विपणन के लिए छोटे उपजकर्ताओं/एसएचजी/ सहकारी समितियों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है । कॉफी बोर्ड फील्ड फोर्स मोबाइल ऐप के माध्यम से कॉफी उपजकर्ताओं को उत्पादन से संबंधित पहलुओं और काफी मृदा स्वास्थ्य निगरानी और प्रबंधन (केएसएचईएमएएम) वेब - पोर्टल के माध्यम से मृदा उर्वरता संबंधी परामर्शी सेवा भी प्रदान कर रहा है । विगत तीन वर्षों अर्थात 2017 -18 से 2019-20 तक के दौरान कॉफी बोर्ड ने स्कीम के विभिन्न कंपोनेंटों के लिए 107.98 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है ।

(घ.) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान कर्नाटक में कुल कॉफी उत्पादन का ब्यौरा निम्नानुसार है :

वर्ष	कर्नाटक में उत्पादन (मात्रा मी.टन में)
2017-18	222300
2018-19	219550
2019-20	203445
2020-21*	242300

*मानसून के पश्चात अनुमान

स्त्रोत : कॉफी बोर्ड

भारतीय कॉफी मुख्यत: निर्यात उन्मुख वस्तु है जिसके वार्षिक उत्पादन का 75 प्रतिशत से अधिक निर्यात किया जाता है । कर्नाटक कुल उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत शेयर के साथ भारत में काफी का अग्रणी उत्पादक है । भारतीय कॉफी ने उच्च गुणवत्ता वाली कॉफी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एक उपयुक्त स्थान बना लिया है और अन्तरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय कॉफी की मांग में वृद्धि हुई है । इंडियन एरेबिका '' अन्य माइल्ड्स '' श्रेणी के तहत प्रीमियम अर्जित करती है और इंडियन रोबस्टा का विश्व में उत्तम काफी के रूप में मूल्यांकन किया जाता है। वर्ष 2020 के दौरान, इंडियन अरेविकास के लिए प्रीमियम इंटर कांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) न्यूयार्क कीमत से बढ़कर, लगभग 40 यूएस सेंट्स/एलबी (लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि) अर्जित कर चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया ।

****